ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

बिहार कृषि विश्वविद्यालय

सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 24-12-2024

किशनगंज(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-12-24 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-12-25	2024-12-26	2024-12-27	2024-12-28	2024-12-29
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	25.0	25.0	25.0	25.0	25.0
न्यूनतम तापमान(से.)	9.0	9.0	7.0	7.0	6.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	95	95	90	90	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	40	35	35	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	3	4	2	2
पवन दिशा (डिग्री)	40	300	290	300	290
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार आगामी पांच दिनों के लिए जारी मध्यम अवधि के पूर्वानुमान के अनुसार अधिकतम तापमान 25. 0°C और 25. 0°C के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान 6.0°C और 9.0°C के बीच रहने का अनुमान है सुबह के समय सापेक्षिक आर्द्रता 90और 95 प्रतिशत के बीच और अपराहन सापेक्षिक आर्द्रता 35से 40 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है और सतही हवा की गति 2. 0 किमी प्रति घंटा से 4. 0 किमी प्रति घंटा अधिकतर पूर्वी से पच्शिमी दिशा में चलने की उम्मीद है।इस दौरान मौसम शुष्क रहेगा | और आसमान साफ रहेगा |

सामान्य सलाहकार:

फसलों को ठंड से बचाने के लिए शाम के समय हल्की और बारंबार सिचाई / स्प्रींकलर सिचाई करें । किसानो को स्वयं सर्दियों से बचाने के लिए पर्याप्त कपड़े पहने । हमेशा अपने सर को टोपी, मोफलर या गमछा से ढक कर रखे | आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहेगा तापमान में धीरे धीरे गिरावट होने से ठण्ड का प्रकोप बढ रहा है | किसान भाईओं से अनुरोध है कि तड़के सुबह और देर शाम में अगर अपने खेतों में कार्य करते है तो गर्म कपड़े जरुर पहने , प्रयास करके अपने सिर को गर्म कपड़ो से जरुर ढके अगर संभव हो सके तो ज्यादातर कार्य धूप निकलने के बाद

करे	मौसम को देखते हुए फसलों पर जरुरत के अनुसार रासायनिक छिड़काव कर सकते है	रवि फसलों की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है	अतः खेत की तैयारी कर फसलों की बुआई करे	बदलते मौसम में पशुओं का विशेष ध्यान रखे , पशु व पशुशाला को साफ सुथरा रखे	पशुओं को हमेशा स्वच्छ एवं ताजा पानी दिन में कई बार पिलाए	पशुओं को धुप निकलने के बाद ही पशुशाला से बाहर निकाले	और शाम को धूप ढलने से पहले पशुशाला के अंदर बाध दीजिए	

लघु संदेश सलाहकार:

आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहेगा आसमान साफ रहेगा आवश्यकतानुसार फसलो में सिचाई करे	

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	गेहूँ जिन किसान भाइयो की गेहूँ की फसल आगे की बोई गई है , प्रयास करे की C.R.I (18-21 दिन की अवस्था) अवस्था पर सिचाई की व्यवस्था करे	सिचाई के बाद प्रथम उपपरिवेशन कि स्थिति में 30 किलो नत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करे	गेहूँ की फसल में गेहूँ घास के खरपतवारो के नियन्त्रण के लिए खरपतवार नाशक सल्फोसल्फ्यूरान 75 % W . G . को 33 ग्राम अथवा चौड़ी पत्ती के घास के लिए मेटसल्फ्यूरान मिथाईल का 20 ग्राम प्रति हेक्टयर की दर से बुआई के 30 - 35 दिन के बाद प्रयोग करे	
मक्का	मक्का जिन किसानो की मक्का की फसल लगभग 30 दिन की हो गई है	वो अपने खेत की निगरानी करते रहे	क्योकि इस समय कटवार्म कि समस्या आ सकती है	जिनके फसलो में कटवार्म कि समस्या हो ,तो क्लोरेन्ट्रानिलिप्रोल 0.4 % GR @ 4 किलोग्राम प्रति एकड की दर से प्रयोग करे	अगर जिनकी मक्का इससे भी ज्यादा दिन की हो गई हो तो ध्यान दे अगर तना बेधक की समस्या हो तो क्लोरेन्ट्रानिलिप्रोल 0.4 % GR @ 4 किलोग्राम प्रति एकड या डेल्टामिथिन 100 -120 मिली प्रति एकड की दर से छिडकाव करे	

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	आलू समय पर बोई गई अगेती आलू की फसल की निराई-गुड़ाई का कार्य करें। जरुरत के अनुसार हल्की सिंचाई करें। तथा उचित नमी को ध्यान में रखकर मिट्टी चढ़ाने का कार्य करे	अगेती आलू की फसल में अगेती झुलसा रोग का प्रकोप होने पर मैंकोजेब या डाईथेएन एम - 45 का 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करे	आलू की बुआई का समय अभी भी चल रहा है, किसान भाई खेत की तैयारी कर आलू की किस्म (कुफरी अशोका, कुफरी पुखराज, कुफरी अरुण) या अपनी पसंद की किस्म की बुआई करे । आलू की बुआई के समय बीजोपचार अवश्य करे	इसके लिए आलू के कंदों को उपचारित करें, कंद को कार्बेन्डाजिम + मैंकोजेब 2 ग्राम/लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर आलू के कंदो को डुबोकर उपचारित करे	इसे छाया में सुखाकर 24 घंटे के अंदर रोपित कर देना चाहिए। प्रति एकड़ 10-12 कुन्तल बीज का प्रयोग अच्छे उत्पादन के लिए अच्छा है। आलू की बुआई के लिए, 25-30 ग्राम आकार के कंदों का प्रयोग करें। बुआई के समय पंक्ति से पंक्ति 50-60 सेमी एवं कंद से कंद की दूरी 15-20 सेमी रखे	
टमाटर	अगेती लगाई गई टमाटर में यदि फल छेदक /पत्ती छेदक कीट का प्रकोप दिखाई दे तो इसके नियंत्रण के लिए नीम के तेल का 1. 5 मिली / लीटर पानी में घोल बनाकर 8 - 10 दिन के अंतराल पर 3-4 छिड़काव

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
	करे |

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	तापमान में धीरे धीरे गिरावट होने से ठण्ड का प्रकोप बढ रहा है | अतं पशुओं को ठण्ड से बचाने के लिए पशुशाला को साफ सुथरा रखे , पशुशाला के फ़र्स को गिला न होने दे | पशुओं को हमेशा स्वच्छ एवं ताजा पानी दिन में कई बार पिलाए | पशुओं को धुप निकलने के बाद ही पशुशाला से बाहर निकाले | और शाम को धूप ढलने से पहले पशुशाला के अंदर बाध दीजिए |

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	सामान्य सलाह मौसम परिवर्तन में पानी का सेवन 3 -4 लीटर प्रतिदिन करे | गरम पानी में दालचीनी व लौंग डालकर पिये, चाय में भी उपयोग कर सकते है | यह एन्टीआक्सीडेंट व रोग प्रतिरोधक क्षमता बढाने में कारगर है | आधे नीबू का सेवन जरुर करे | • सर्दियों से बचने के लिए पर्याप्त कपड़े पहने । हमेशा अपने सर को टोपी, मोफलर या गमछा से ढक कर रखे | • जितना संभव हो घर के अंदर रहें, ठंडी हवा के सिधे संपर्क में न आये ठंडी हवा से बचने के लिए बहुत जरुरी हो तभी घर से बाहर निकले | •अपने शरीर को हमेशा सूखा रखें। यदि गीले हों, तो शरीर की गर्मी के नुकसान को रोकने के लिए तुरंत कपड़े बदलें। • नियमित रूप से गर्म पेय पियें। • बुजुर्ग लोगों और बच्चों का ख्याल रखें। • शीतदंश के लक्षणों जैसे सुन्नता, उंगलियों, पैर की उंगलियों, कान की लोब और नाक की नोक पर सफेद या पीला दिखना। अगर ऐसा कुछ दिखे या महशूस हो तो तुरन्त डाक्टर से मिले | • शीतदंश से प्रभावित क्षेत्रों को गर्म नहीं बल्कि गर्म पानी में रखें (शरीर के अप्रभावित हिस्सों के लिए तापमान छूने के लिए आरामदायक होना चाहिए)।